CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-165
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शुक्रवार 20 सितम्बर 2024

आज का विचार

शरीर को रोगी और निर्बल रखने के सामान दूसरा कोई पाप नहीं है।- लोकमान्य तिलक

छपरा में बाढ़ ने मचाई तबाही

शहरी इलाके में घुसा पानी सारण का यूपी से संपर्क टूटा

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, बिहार के कई जिलों के निवासी बाढ़ की तबाही झेल रहे हैं। सारण में बाढ़ हाहाकार मचा रहा है। गंगा और घाघरा (सरयू) का जलस्तर बढ़ने के बाद गुरुवार को सारण स्थित जेपी के गांव सिताबदियारा का जिला मुख्यालय से सम्पर्क भंग हो गया है। सारण के मांझी की सीमा से सटे यूपी के चांद दियर पुलिस चेकपोस्ट के पास मांझी-बैरिया रोड एनएच 31 की मुख्य सड़क ध्वस्त हो गयी है। सारण का यूपी से सड़क सम्पर्क भंग है। बिहार से यूपी जाने वाले कई वाहन व सैकड़ों लोग फंसे हैं। यूपी के चांद दियर के लोग घरों से निकल कर मुख्य सड़क व रेलवे लाइन पर शरण लिए हैं। इधर छपरा में शहर के सलेमपुर व मौना चौक सब्जी मंडी तक बाढ़ का

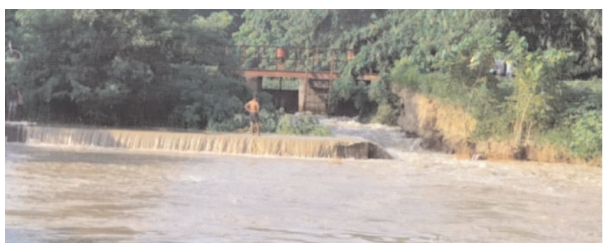

पानी पहुंच गया है। शहर के नगर पालिका चौक, नगर निगम व कलेक्ट्रेट परिसर में भी पानी घुस गया है। शहर के कई मुख्य पथों पर नाला के माध्यम से बाढ़ का पानी घुसने लगा है। साहेबगंज मौना चौक सब्जी मंडी, सलेमपुर रोड,बूटन बारी, डीएवी गली, साहेबगंज सोनार पट्टी समेत अन्य हिस्सों में बाढ़ का पानी फैलने लगा है। छपरा-बलिया रेलखंड पर भी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मांझी -बकुल्हा स्टेशन के बीच रेल लाइन वाले बांध में रिसाव शुरू है। छपरा के इनई गांव के समीप सोंधी नदी के मुहाने पर स्थित स्लुइस गेट के ऊपर से बाढ़ का पानी बह रहा है। स्लुइस गेट के दोनों तरफ का बांध कट कर ध्वस्त हो रहा है। सोंधी नदी के तटबंध पर भी खतरा मंडरा रहा है। नदी के आसपास के गांवों में बाढ़ की आशंका से ग्रामीण सहमे हैं। बुधवार को पीएन सिंह कॉलेज के पास एनएच 19 पर पानी पहुंच चुका था। सदर प्रखंड की तीन पंचायतों का सारण मुख्यालय से संपर्क भंग हो चुका है। मांझी श्मशान घाट जलमग्न हो गया है। इसके अलावे दरियापुर में स्थानीय तीन नदियां गण्डकी, मही और सुखमयी उफान पर हैं जिससे बांधों पर दबाव बढ़ गया है। इस बाढ़ से किसानों के खेत डूब गए हैं। भारी मात्रा में फसलें बर्बाद हो गईं हैं। सब्जियां भी डूब चुकी हैं। बाढ़ का पानी फैल जाने से किसानों के सामने पशुचारे का भी संकट उत्पन्न हो गया है। शहर की सब्जी मंडी और वहां की दुकानें बंद हो गयी हैं। सुनारपट्टी की ज्वेलरी दुकानों में पानी घुसने से दुकानें बंद हो गयी हैं। शहर के निचले इलाके में नाव का परिचालन शुरू हो चुका है। लोग प्रशासन से राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने की मांग कर रहे हैं।

स्मार्ट मीटर नहीं लगवाने वालों की खैर नहीं सरकार का फरमान जारी, कटेगी बिजली

पटना, बिहार में स्मार्ट मीटर लगाने का राजद, कांग्रेस, सांसद पप्पू यादव विरोध कर रहे हैं. गुरुवार को बिहार कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर एक रैली भी निकाली. लेकिन नीतीश सरकार युद्धस्तर पर स्मार्ट मीटर लगाने का फरमान जारी कर रखा है. नए आदेश में सभी सरकारी कार्यालयों ने 30 नवंबर तक स्मार्ट मीटर लगाने की अंतिम तारीख दे दी गई है. तय समय सीमा के अंदर टारगेट पूरा करने में देरी और लापरवाही के कारण तीन मीटरिंग एजेंसी पर ऊर्जा सचिव ने कार्रवाई करते हुए हाई प्रिंट, एनसीसी, अदानी पावर एवं ईईएसएल जैसी कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए हैं.

उर्जा सचिव ने की समीक्षा- ऊर्जा सचिव ने दक्षिण एवं उत्तर बिहार में कार्यरत एडवांस्ड मीटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर्स की प्रगति की समीक्षा की. इस बैठक में विद्युत आपूर्ति और उपभोक्ता सेवाओं में सुधार लाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए. बैठक में साउथ बिहार के प्रबंध निदेशक महेन्द्र कुमार और नॉर्थ बिहार कंपनी के प्रबंध निदेशक डॉ निलेश देवरे भी मौजूद थे.नॉर्थ बिहार में कार्यरत मीटरिंग एजेंसी हाई प्रिंट, एनसीसी, अदानी पावर, सिक्योर मीटर्स लिमिटेड, इइएसएल एवं साउथ बिहार में कार्यरत एजेंसी इंटेलिस्मार्ट व जीनस पावर के प्रतिनिधिगण भी बैठक में उपस्थित थे. सीएमडी ने हाई प्रिंट,एनसीसी,अदानी पावर एवं इइएसएल को तय समय सीमा के अंदर टारगेट नहीं पूरा करने के आलोक में ब्लैकलिस्ट व पेनाल्टी क्लॉज करने हेतु दोनों डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिया.

भवनों के बिजली कनेक्शन काट दिए जाएंगे-दरअसल मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने 17 सितंबर को ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए थे कि राज्य के सभी सरकारी भवनों में 30 नवंबर तक स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाना अनिवार्य है. यदि इस समय सीमा तक किसी भी सरकारी भवन में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए गए तो संबंधित भवनों के बिजली कनेक्शन काट दिए जाएंगे. इस निर्देश के आलोक में ऊर्जा सचिव ने सभी मीटरिंग एजेंसियों को अपने क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने के निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने सरकारी भवनों में चेक मीटर लगाने कहा ताकि उपभोक्ताओं के मन में कोई संशय न रहे. सीएमडी ने एएमआइएसपी से जुड़े सभी एजेंसियों से स्पष्ट रूप से कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए सेक्शन, ब्लॉक, पंचायत स्तर पर कार्य करने की जरूरत है. उन्होंने सभी को डीटी एवं फीडर मीटरिंग में भी तेजी लाने एवं कंज्यूमर टैगिंग हेतु निर्देश दिए. स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग की जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर आइअइसी गतिविधियां चलानी होंगी. इसके तहत जनसाधारण को स्मार्ट मीटरों के फायदों के विषय में जागरूक करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार किया जाना है.

नगर निगम की 75 टीम लोगों को करेगी जागरूक

नितिन नवीन बोले- स्वच्छता को विचार और व्यवहार में भी लाना है

पटना, पटना में मिशन टोटल सेग्रीगेशन अभियान का शुभारंभ हो चुका है। स्वछता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन और शहर को कचरा मुक्त बनाने के लिए इसकी शुरुआत की गई है। अब से लोगों को सूखा और गीला कचरा को अलग करके देना होगा। लोगों को जागरूक करने के लिए नगर निगम की हर गाड़ी पर महिला कर्मी तैनात रहेंगी। उक्त बातें नगर आवास एवं विकास मंत्री नितिन नवीन ने कहीं। गुरुवार को पटना के बापू सभागार में मिशन टोटल सेग्रीगेशन अभियान का शुभारंभ रायपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर की अध्यक्षता में नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने सेलफी विथ डस्टबिन अभियान की भी शुरुआत की। उन्होंने लोगों को कचरा अलग-अलग कर रखने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि बिहार के शिक्षा विभाग द्वारा सभी स्कूलों में दो डस्टबिन रखने को लेकर मंजूरी मिल गयी है। इसके साथ ही जल्द ही हर स्कूल में बचों द्वारा स्वछता प्लेज भी लिया जाएगा। इसके लिए

शिक्षा मंत्री ने मंजूरी भी दे दी है।

रायपाल बोले- हम सभी सेल्फी विथ डस्टबिन में भाग लेंगे रायपाल ने कहा कि ये कार्यक्रम आपका है, हम सब साथ देने आये है। हम सभी सेल्फी विथ डस्टबिन में भाग लेंगे। साथ ही संकल्प लेते है कि स्वछता स्वभाव को सिर्फ महीने दो महीने नहीं बल्कि जीवन भर के लिए अपना लेते हैं। इसके अलावा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि देश तभी बदलेगा जब हम बदलेंगे। मैं मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि छठ के वक़्त आप एक स्वछता कार्यक्रम रखिये जहां हम सभी लोग आएंगे। साथ ही शहर के सबसे गंदे स्पॉट पर जाकर सफाई कर लोगों को जागरूक करेंगे। मंत्री जी आप आगे-आगे बढिय हम आपके साथ है। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने कहा कि शहर को स्वछ बनाने के लिए सिर्फ बोलना नहीं कर के भी दिखाना होगा।

मंत्री बोले- 2000 लोगों को प्रशिक्षित किया गया मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि हम सब आज एक बड़े उद्देश्य के साथ आए है। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पंचायती राय की व्यवस्था को मजबूत किया, इसका सीधा फायदा पंचायत और नगर निकायों को मिलने लगा है। उन्होंने कहा कि पटना में डोर टू डोर स्वछता से हम सभी जुड़ गए है। लेकिन अब हमे दूसरे पैदान पर जाना है, जो कि सेग्रीगेशन है। बिना कचरा को अलग-अलग किये हम उसका इस्तेमाल नहीं कर सकते है। ये मिशन इस उद्देश्य के साथ शुरू हुआ है कि हमारे संस्कार में जो स्वछता है, उसे व्यवहार और विचार में भी लाना है। उन्होंने कहा कि मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि पटना नगर निगम की 75 टीम घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने का काम करने वाली है। इसके लिए 2000 लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमलोग पटना के 500 स्कूलों में जाकर बचों को एक पत्र अभिभावक के नाम लिखने के लिए भी प्रेरित करेंगे।

यह दोनों ही बेहद अहम प्रोजेक्ट है इधर, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी ने कहा कि बिहार के लिए मिशन टोटल सेग्रीगेशन और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट दोनों ही बेहद अहम प्रोजेक्ट है। मंत्री नितिन नवीन इसके लिए बेहतर काम कर रहे है। ऐसे में मैं मंत्री जी को सीधे कहना चाहता हूं कि राय को अगर कचरा प्रबंधन करने में 5000 करोड़ का भी खर्च आएगा तो मैं वित्त मंत्री के नाते उसे दूंगा। वहीं, उन्होंने कहा कि ह्ह्ह की टीम अगर छठ पर्व में बिहार आएगी तो उन्हें देश भर के मुकाबले बिहार से यादा स्वछ शहर नहीं मिलेगा।

जदयू नेत्री के घर 20 घंटे तक एनआईए ने की कार्रवाई

फिर सुर्खियों में है बिंदेश्वरी यादव का परिवार

गया, गया की पूर्व एमएलसी सह जदयू नेत्री मनोरमा देवी के घर 20 घंटे तक एनआईए टीम की कार्रवाई करती रही। करीब 12 बजे रात्रि एनआईए टीम कार्रवाई कर घर से बाहर निकली। इस दौरान एनआईए की टीम ने जदयू नेत्री के तीन ठिकानों पर छापेमारी की। उक्त कार्रवाई में चार करोड़ तीस लाख कैश, दस हथियार और कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद हुआ है। काफी संख्या में रुपयों का बंडल मिलने के बाद एनआईए की टीम ने नोट गिनने वाला मशीन और दो बड़ी-बड़ी पेटियां मंगवाई और सभी नोटों को अपने साथ ले गए। वहीं एनआईए की कार्रवाई समाप्त होने के बाद जदयू नेत्री मनोरमा देवी घर से बाहर निकली और पत्रकारों से रूबरू हुई। उन्होंने कहा कि अचानक 6-00 बजे सुबह में एनआईए के टीम के अधिकारी आ पहुंचे और तलाशी लेने लगे। हमलोगों ने उनका पूरा सहयोग किया। उन्होंने कहा कि जो रुपये छापामारी के दौरान जप्त किए गए हैं, वे बैंक से लोन लिए गए थे, उसका पूरा हिसाब किताब है, जिसका डिटेल हमारे चार्टर्ड अकाउंटेंट दे देंगे। वही हथियार के बारे में उन्होंने कहा कि ये हथियार हमारे गार्डों के हैं, उसके भी कागजात हमारे पास मौजूद हैं। उन्होंने किसी भी प्रकार की गिरफ्तारी से इंकार किया। उन्होंने कहा कि एनआईए के टीम की

जांच में हमलोगों ने उनका पूरा सहयोग किया है।

उपचुनाव की तैयारी में है रॉकी यादव - एनआईए की कार्रवाई के दौरान रॉकी यादव के समर्थकों की भीड़ लगी हुई थी। समर्थकों ने बताया कि बेलागंज विधानसभा के उपचुनाव में जदयू नेत्री मनोरमा देवी के पुत्र रॉकी यादव चुनाव लड़ने की योजना बन रही है। गुरुवार को बेलागंज विधानसभा क्षेत्र में जाना था। उससे पहले एनआईए की कार्रवाई शुरू हो गई।

भाकपा माओवादी से सांठ-गांठ, फंडिंग और हथियार सप्लाई को लेकर हुई कार्रवाई - भाकपा माओवादी संगठन से सांठ-गांठ, फंडिंग और हथियार सप्लाई को लेकर गुरुवार को एनआईए ने गया शहर के एपी कॉलनी में स्थित जदयू नेत्री मनोरमा देवी के घर पर कार्रवाई की है। वहीं उक्त टीम ने जदयू नेत्री के तीन ठिकानों पर भी छापेमारी की।

एक बार फिर से चर्चा में आया बिंदी यादव का परिवार - हालांकि जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन स्व. बिंदेश्वरी यादव उर्फ बिंदी यादव का परिवार फिर चर्चा में आया है। यह नाम सबसे पहले उस समय चर्चा में आया था, जब बिंदी यादव को गया पुलिस ने नक्सलियों को कारतूस सप्लाई के लिए जाते समय गिरफ्तार किया था। उस वक्त भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुआ था। उस मामले में उस वक्त बिंदी यादव पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया था। वहीं दूसरी बार बिंदी यादव के बड़े बेटे रॉकी यादव ने गया शहर के स्वराजपुरी रोड के रहने वाले आदित्य सचदेवा को गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस बार जदयू नेत्री मनोरमा देवी के घर पर एनआईए की कार्रवाई से फिर तीसरी बार बिंदी यादव का परिवार चर्चा में आया है।

जदयू नेत्री के करीबी के यहां पहले हुई थी छापेमारी- मिली जानकारी के मुताबिक बीते साल 2023 में जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के नजदीकी राजू जाट के घर एनआईए की टीम ने छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान उनके घर से एक मोबाइल बरामद हुआ था। एनआईए ने दिल्ली में एक एफआईआर दर्ज किया था। बरामद मोबाइल के आधार पर एनआईए की टीम कार्रवाई की थी।

बिहार स्वास्थ्य विभाग में 45 हजार बहाली पर आया अपडेट

6 महीने में हो जाएगी नियुक्ति

पटना, बिहार के बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी नौकरी का बड़ा अवसर निकलने वाला है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग में 45 हजार स्वास्थ्यकर्मियों की बहाली इसी वित्तीय वर्ष में होगी। इसमें चिकित्सक, नर्स, फार्मासिस्ट और लैब तकनीशियन सहित दर्जनभर पद शामिल हैं। अक्टूबर 2024 से बहाली की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने पहले 65 फीसदी आरक्षण के आधार पर जिलों से विभिन्न पदों का रोस्टर क्लियर कर रिक्तियां मांगी थीं। मगर बढ़े आरक्षण पर पटना हाई कोर्ट की रोक के बाद फिर से विभाग ने पुराने प्रावधानों के आधार पर ही बहाली करने का फैसला लिया है। अगले 6 महीनों में इस भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग को कुछ पदों के लिए जिलों से 50 फीसदी आरक्षण के आधार पर रोस्टर क्लियर कर वैकेंसी आने भी लगी है। उम्मीद है कि लगभग सभी पदों की वैकेंसी रोस्टर के साथ अगले महीने तक मिल जाएंगी। साथ ही रिक्तियों को सामान्य प्रशासन विभाग को भेज दिया जाएगा। इसके बाद तकनीकी सेवा आयोग सहित विभिन्न आयोगों को जानकारी भेजी जाएगी। आयोग आवेदन के लिए योग्य अभ्यथियों को लगभग एक महीने तक आवेदन का मौका देगी। चयन

प्रक्रिया पूरी कर योग्य अभ्यर्थियों की अनुशंसा आयोग से स्वास्थ्य विभाग को मिलेगी। दरअसल, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने जून में विभागीय अधिकारियों के साथ विभाग में विभिन्न पदों पर रिक्तियों की समीक्षा की थी। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि मिशन मोड में चिकित्सक और नर्स सहित सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति पूरा कराएं। पिछले दिनों 770 दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) के पद स्वीकृत किए गए हैं। दो दिन पूर्व मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सभी रिक्त पदों को भरने का निर्देश दिया।

आरक्षण के पेच से बहाली में हो रही देरी- स्वास्थ्य विभाग ने अक्टूबर अंत तक सभी 45 हजार पदों पर बहाली पूरी करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन आरक्षण के पेच के कारण बहाली प्रक्रिया शुरू होने में देर हो रही है। चिकित्सक, दंत चिकित्सक, नर्स, एएनएम, जीएनएम, सीएचओ और पारा मेडिकल सहित स्वास्थ्य विभाग से जुड़े रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए विभाग ने कार्यवाही तेज कर दी है। सबसे अधिक लगभग 21 हजार पदों पर नर्सों की नियुक्ति होनी है। स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 1339 सहायक प्राध्यापक नियुक्त होंगे। 3523 विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, 396 सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी नियुक्त होंगे। संविदा के आधार पर 1290 सामान्य चिकित्सा पदाधिकारियों भी नियुक्ति होनी है।

स्वास्थ्य विभाग में किन पदों पर कितनी बहाली होगी, यहां जानें-

सहायक प्राध्यापक 1339
विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी 3523
सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी 396
सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी (संविदा) 1290
दंत चिकित्सक 64
सिस्टर ट्यूटर 362
नर्स 6298
एएनएम 15089
फार्मासिस्ट 3637
एक्स रे तकनीशियन 803
ओटी असिस्टेंट 1326
ईसीजी तकनीशियन 163
लैब तकनीशियन 3080
ड्रेसर 1562
सीएचओ(संविदा)4500

घर में घुसा था बाढ़ का पानी सामान हटाने के दौरान करंट लगने से शिक्षक की हुई मौत

बेगूसराय, बेगूसराय में करंट लगने से एक सरकारी स्कूल के शिक्षक की दर्दनाक मौत हो गई है। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के रामदीरी नकटी टोला वार्ड नंबर 8 की है। मृतक शिक्षक की पहचान रामदीरी नकटी टोला वार्ड नंबर 8 निवासी हरेराम सिंह के पुत्र राजेश कुमार सिंह के रूप में की गई है। मौत की खबर मिलते ही स्कूल के सभी शिक्षकों के बीच को हड़कंप मच गया।

श्राद्ध कर्म के दौरान करंट लगने से हुई मौत

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया है कि पिछले कई दिनों से गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है। उन्होंने बताया कि उनके चाचा का देहांत हुआ था। घर में श्राद्धकर्म का भोज चल रहा था। पानी में ही बिजली का तार टूट कर गिरा हुआ था। घर में पानी प्रवेश करने के बाद घर का सामान इधर से उधर कर रहे थे। तभी पानी में उतरते ही , वह करंट की चपेट में आ गये, जिससे शिक्षक राजेश कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। मौत के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। परिजन उन्हें आननफानन में अस्पताल लेकर गये, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिर ग्रामीणों ने घटना की सूचना मटिहानी थाना के पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मटिहानी थाने की पुलिस पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

डंडारी में थे पदस्थापित परिजनों ने बताया कि राजेश कुमार उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरदिया डंडारी में शिक्षक के रूप में पदस्थापित थे। घटना के संबंध में मटिहानी थाना अध्यक्ष ने बताया कि रामदीरी नकटी टोला बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र है। उनके चाचा का देहांत हुआ था। रात में वह बोरा उठाकर ऊँचे स्थान पर रख रहे थे। इसी दौरान करंट लगने से शिक्षक की मौत हुई है, फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।